(ख) ग्राम चाम आंशिक रूप से जलमग्न क्षेत्र में आता है और सड़क के साथ लगी कुछ दुकाने जल मग्नता के अर्न्तगत आ सकती है। मौजूदा पुनर्वास पैकेज के अनुसार भूमि और मौजूदा ढांचों के लिए मुआवजे की राशि देय है। हनुमंत राव समिति की सिफारिशों के आधार पर आंशिक रूप से जलमग्न क्षेत्रों के ग्राम दुकान मालिकों को रिंग रोड के निकट लागत पर दुकान भूखण्ड दिया जाएगा। टिहरी जल विद्युत विकास निगम को तदनुसार कार्रवाई करने का निदेश दिया गया है।

(ग) ग्राम क्षेत्र में सभी प्रभावित भू-स्वामियों का पुनर्वास 2002 तक भूमि जब्त किए जाने से पूर्व देहरादून और हरिद्वार जिले में किए जाने की संभावना है।

(घ) जलमग्नता के कारणवश 4909 ग्रामीण परिवार पूर्णत प्रभावित हुए हैं। इसके अतिरिक्त 3998 परिवार आंशिक रूप से प्रभावित हैं जिन्हें पुनर्वासित नहीं किया जाना है। तथापि इन परिवारों को जलमग्नता के अंतर्गत आने वाली भूमि के लिए रोकड़ मुआवजा दिया जाना है।

Availability and Demand of Power

898. SHRI NARESH YADAV: Will the Minister of POWER be pleased to state:

(a) what was the overall availability and demand of power State-wise, during 1997-98 and 1998-99 and as on date;

(b) whether there was a shortfall of more than 20 per cent in demand during the same period which is expected to go up in the coming years;

(c) whether there was any proposal under Government's consideration for power production in the public sector to meet this shortage;

(d) if so, whether any decision has been taken in this regard; and

(e) if not, the reasons therefor?

THE MINISTER OF POWER, MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF NON-CONVENTIONAL ENERGY SOURCES (SHRI P. R. KUMARAMANGALAM): (a) and (b) The details of energy requirement, availability and shortage in various States during 1997-98 and 1998-99 (April 1998 to Jan. 1999) are given at the Annexure. [*see Appendix 186, Annexue No. 19*]

(c) to (e) Power is being generated by Central public sector undertakings as well as state utilities and in the private sector. Decision on setting up new projects in the central sector and state sector are taken from time to time in keeping with the annual plan proposals.

बिजली की खपत का आकलन

899. **श्री गोपाल सिंह जी सोलंकी:** क्या विद्युत मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार ने देश में नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषि, औद्योगिक, वाणिज्यिक क्षेत्रों में तथा घरेलू उपयोग और सरकारी संस्थाओं में बिजली की होने वाली खपत का कोई आकलन किया है;

(ख) यदि हां, तो कुल वार्षिक विद्युत खपत में इन क्षेत्रों का प्रतिशत कितना रहेगा और इन क्षेत्रों से आने वाली मांग के संबंध में आकलन किया है; और;

(ग) आगामी दशक में बढ़ने वाली मांग को पूरा करने के लिए सरकार की कार्य-योजना क्या है?

विद्युत मंत्री, संसदीय कार्य मंत्री और गैर पारम्परिक ऊर्जा स्रोत मंत्री (श्री पी० आर० कुमारमंगलम): (क) जी, हां। 15वें विद्युत शक्ति सर्वेक्षण रिपोर्ट में नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान कृषीय, औद्योगिक, वाणिज्यिक तथा घरेलू क्षेत्रों में सम्भावित खपत का आकंलन किया गया है।

(ख) विभिन्न क्षेत्रों में ऊर्जा की मांग और कुल खपत में विद्युत खपत का प्रतिशत, जैसा कि 15वें विद्युत शक्ति सर्वेक्षण रिपोर्ट में अनुमानित किया गया है नीचे दिया गया है।